खुदीराम बोस सेन्ट्रल कॉलेज
Khudiram Bose Central College

हिंदी विभाग
Department of Hindi

विभागीय गतिविधियां
Departmental Activities

रपट...

Reporting...

डॉ. शुभ्रा उपाध्याय	प्रो. मधु सिंह	प्रो. राहुल गौड़
विभागाध्यक्ष	शिक्षिका	शिक्षक

पहली गतिविधि

राज्यस्तरीय वेब संगोष्ठी

विषय	आकाशदीप: एक पुनर्मूल्यांकन
विशेष प्रस्तुति	विद्यार्थियों द्वारा स्वरचित काव्यपाठ
तारीख	30 जून, 2020
समय	शाम 5 बजे
माध्यम	गूगल मीट
संभावित श्रोता	तृतीय छमाही, पंचम छमाही और तृतीय वर्ष के विद्यार्थी एवं विभिन्न महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी
वक्ता	डॉ. रचना पांडेय श्री शिक्षायतन कॉलेज
प्रतिभागी	विद्यार्थी, शोधार्थी एवं शिक्षक
प्रतिभागियों की कुल संख्या	लगभग 118
आयोजक	हिंदी विभाग
तकनीकी सहयोग	मधु सिंह और राहुल गौड़

बैनर

खुदीराम बोस सेन्ट्रल कॉलेज

71/2ए बिधान सारणी, कोलकाता-700006

हिंदी विभाग द्वारा आयोजित

एकल वक्तव्य एवं काव्यपाठ

30 जून 2020, शाम 5 बजे

स्वागत भाषण देंगे

प्रो. सुबीर कुमार दत्त

प्रधानाचार्य

बीज भाषण

डॉ. शुभ्रा उपाध्याय

विभागाध्यक्ष

खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज

विषय

आकाशदीप: एक पुनर्मूल्यांकन

वक्ता

प्रो. रचना पाण्डेय

हिंदी विभाग

श्री शिक्षायतन कॉलेज

काव्य पाठ करेंगी

प्रीति साव, साक्षी झा, सिखा सिंह, नेहा ठाकुर और ज्योति मिश्रा

संयोजन एवं धन्यवाद ज्ञापन

मधु सिंह

संचालन

राहुल गौड़

नोट: कार्यक्रम से जुड़ने के लिए कृपया गूगल मीट डाउनलोड करें। लिंक कैप्शन में दिया गया है।

प्रमाणपत्र

खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज

71/2ए विधान सारणी, कोलकाता-700006

वेब संगोष्ठी एवं काव्यपाठ

दिनांक: 30 जून 2020

श्री/सुश्री/श्रीमती _____

शिक्षण संस्थान _____

आपने '**आकाशदीप: एक पुनर्मूल्यांकन**' विषय पर आयोजित वेब संगोष्ठी में व्याख्यान/अध्यक्षता/काव्य पाठ/सहभागिता की। हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

प्रो. सुबीर कुमार दत्त
प्रधानाचार्य

डॉ. शुभ्रा उपाध्याय
विभागाध्यक्ष

अखबार की रिपोर्टिंग

खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज में वेब संगोष्ठी

कोलकाता. खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज ने वेब संगोष्ठी व काव्यपाठ का आयोजन किया. कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ सुबीर कुमार दत्ता ने स्वागत भाषण दिया. विभागाध्यक्ष डॉ शुभ्रा उपाध्याय ने कहा, हमने पाठ्यक्रम में शामिल कहानी पर परिचर्चा का आयोजन किया ताकि विद्यार्थी लाभान्वित हों. शिक्षायतन कॉलेज की डॉ रचना पांडे ने कहानी की रचना-प्रक्रिया पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर नेहा ठाकुर, शिखा सिंह, साक्षी झा, प्रीति साव और ज्योति मिश्रा ने भी पाठ किया. प्रो. अल्पना नायक, प्रो. संजय जायसवाल, प्रो. अरविंद मृधा, प्रो. तापसी घोष, प्रो. पायल नंदी, प्रो. सिउली विश्वास, प्रो. कलावती कुमारी, डॉ विजया सिंह, मृत्युंजय श्रीवास्तव, श्रीराम निवास द्विवेदी, एकता गुप्ता व अन्य विद्यार्थियों और साहित्य प्रेमियों ने हिस्सा लिया. प्रो राहुल गौड़ व प्रो मधु सिंह भी मौजूद थे.

प्रभात खबर

खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज में वेब संगोष्ठी एवं काव्यपाठ

कोलकाता 1जुलाई। कोलकाता के प्रतिष्ठित कॉलेज खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज की ओर से वेब संगोष्ठी एवं काव्यपाठ का आयोजन किया गया। स्वागत भाषण देते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ सुबीर कुमार दत्ता ने कहा कि कोरोना महामारी जैसे संकट के समय जब साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम सभागारों से वंचित हैं, तब हमारे कॉलेज के हिंदी विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम हमें आश्वस्त करता है। हिंदी विभाग के सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ सभी प्रतिभागियों का मैं स्वागत करता हूँ। विभागाध्यक्ष डॉ शुभ्रा उपाध्याय ने कहा कि हमने पाठ्यक्रम में शामिल कहानी पर परिचर्चा का आयोजन इसलिए किया ताकि विद्यार्थी लाभांवित हो सकें। ऐसे आयोजनों का एक उद्देश्य यह भी है कि विद्यार्थियों में साहित्यिक और सांस्कृतिक अभिरुचि का विकास हो। आकाशदीप : एक मूल्यांकन विषय पर विचार रखते हुए श्री शिक्षायतन कॉलेज की शिक्षिका डॉ रचना पांडे ने कहानी की रचना-प्रक्रिया और प्रयोजनीयता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहानी के अर्थ तंतुओं को कई स्तरों पर खोला। कहानी के ऐतिहासिकता के साथ उन्होंने वर्तमान को भी जोड़कर देखने की दृष्टि प्रदान की। इस अवसर पर नेहा ठाकुर, सिखा सिंह, साक्षी झा, प्रीति साव और ज्योति मिश्रा ने स्वरचित कविताओं का पाठ किया। प्रो अल्पना नायक ने कहा कि ऐसे आयोजन के लिए मैं हिंदी विभाग को धन्यवाद देती हूँ। प्रो. संजय जायसवाल ने कहा कि यह आयोजन संवाद और सृजन का साझा मंच है। इस संगोष्ठी में प्रो. अरविंद मृधा, प्रो. तापसी घोष, प्रो. पायल नंदी, प्रो.सिउली विश्वास, प्रो कलावती कुमारी, डॉ विजया सिंह, मृत्युंजय श्रीवास्तव, श्रीराम निवास द्विवेदी, एकता गुप्ता सहित काफी संख्या में विद्यार्थियों और साहित्य प्रेमियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो राहुल गौड़ और संयोजन व धन्यवाद ज्ञापन प्रो मधु सिंह ने किया।

छपते-छपते

दूसरी गतिविधि

राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी

विषय	हिंदी नाटक का उद्भव एवं विकास
विशेष प्रस्तुति	श्रुति नाटक: अंधेर नगरी(विद्यार्थियों द्वारा)
तारीख	8 जुलाई, 2020
समय	शाम 5 बजे
माध्यम	गूगल मीट
संभावित श्रोता	तृतीय छमाही, पंचम छमाही और तृतीय वर्ष के विद्यार्थी एवं विभिन्न महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी
वक्ता	प्रो. वसुंधरा मिश्र भवानीपुर एजुकेशन सोसायटी
प्रतिभागी	विद्यार्थी, शोधार्थी एवं शिक्षक
प्रतिभागियों की कुल संख्या	लगभग 200
आयोजक	हिंदी विभाग
तकनीकी सहयोग	मधु सिंह और राहुल गौड़

खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज

71/2ए बिधान सरणी, 700006

हिंदी विभाग द्वारा आयोजित

एकल वक्तव्य एवं श्रुति नाटक

रंगकर्मी उषा गांगुली जी को समर्पित

8 जुलाई 2020, शाम 5 बजे

विषय: हिंदी नाटक का उद्भव एवं विकास

स्वागत भाषण	बीज भाषण	एकल वक्ता
डॉ. सुबीर कुमार दत्त	डॉ. शुभ्रा उपाध्याय	प्रो. वसुंधरा मिश्रा
प्रिंसिपल	विभागाध्यक्ष	हिंदी विभाग
खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज	खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज	भ. ई. एस कॉलेज

श्रुति नाटक: अंधेर नगरी

साक्षी झा
प्रीति साव
बिंदी चौधरी

अंजली पाठक
सौरभ केशरी
सिमरन जैसवारा

संचालन
प्रो. राहुल गौड़

संयोजन एवं निर्देशन
प्रो. मधु सिंह

नोट: कार्यक्रम से जुड़ने के लिए गूगल मीट डाउनलोड कीजिए। लिंक के लिए कैप्शन देखें।

बैनर

खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज

71/2ए विधान सारणी, कोलकाता-700006

राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी

दिनांक: 8 जुलाई 2020

श्री/सुश्री/श्रीमती _____

शिक्षण संस्थान _____

आपने **'हिंदी नाटक का उद्भव एवं विकास'** विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी में व्याख्यान दिया/सहभागिता की। हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

प्रो. सुबीर कुमार दत्त
प्रधानाचार्य

डॉ. शुभ्रा उपाध्याय
विभागाध्यक्ष

प्रमाणपत्र

रिपोर्टिंग

खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज में वेब परिचर्चा एवं श्रुतिनाटक का आयोजन

कोलकाता 1जुलाई ।कोलकाता के प्रतिष्ठित कॉलेज खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज की ओर से पाठ्यक्रम में शामिल विषय 'हिंदी नाटक का उदभव और विकास ' पर वेब परिचर्चा एवं दिवंगत प्रसिद्ध नाट्यकर्मी उषा गांगुली की स्मृति में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाटक 'अंधेर नगरी 'का श्रुतिनाट्य मंचन किया गया। स्वागत भाषण देते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ सुबीर कुमार दत्ता ने कहा कि कोरोना महामारी जैसे संकट के समय हमारे कॉलेज के हिंदी विभाग की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है। मैं व्याख्यान के लिए आमंत्रित वक्ता के साथ हिंदी विभाग के सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों और संगोष्ठी में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत करता हूँ। विभागाध्यक्ष डॉ शुभ्रा उपाध्याय ने कहा कि परिचर्चा के लिए हमने पाठ्यक्रम में शामिल विषय को चुना है किया ताकि कलकत्ता विश्वविद्यालय के अधीनस्थ सभी कॉलेजों के हिंदी विद्यार्थी लाभांवित हो सकें। ऐसे आयोजनों का एक उद्देश्य यह भी है कि विद्यार्थियों में साहित्यिक और सांस्कृतिक अभिरुचि का विकास हो ।हिंदी नाटक का उदभव और विकास 'विषय पर विचार रखते हुए भवानीपुर एजुकेशन सोसाइटी की शिक्षिका डॉ वसुंधरा मिश्र ने हिंदी नाटक के उदभव और विकास की लम्बी परम्परा के बीच नाटकों के स्वरूप, कथ्य और रचना प्रक्रिया आदि पर आए बदलावों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि हिंदी नाटक ने साहित्य, कला और रंगमंच के बीच पुल का काम किया है ।इस अवसर पर सौरभ केशरी, साक्षी झा, प्रीति साव,बिंदी चौधरी,अंजलि पाठक, सिमरन जैसवारा ने उषा गांगुली की स्मृति में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाटक 'अंधेर नगरी 'का श्रुति नाट्य पाठ किया । प्रो किरण सिपानी ने कहा कि ऐसे आयोजन के लिए मैं हिंदी विभाग को धन्यवाद देती हूँ । प्रो. संजय जायसवाल ने कहा कि विद्यार्थियों की यह उम्दा श्रुति नाट्य प्रस्तुति सही अर्थों में उषा गांगुली को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करता है । श्रीरामनिवास द्विवेदी ने कहा कि ऐसे आयोजन भावी पीढ़ी को तैयार करने का काम कर रहे हैं।मृत्युंजय श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज अन्य संस्थानों को दिशा निर्देश देने का काम कर रहरहा है।उमा झुनझुनवाला ने इस अवसर पर उषा गांगुली की स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने अपने श्रुति पाठ से मुझे बांधे रखा ।संगोष्ठी में प्रो. अरविंद मृधा, प्रो. तापसी घोष, डॉ विजया सिंह, डॉ रेणु गुप्ता, प्रो राकेश चौबे सहित काफी संख्या में विद्यार्थियों और साहित्य प्रेमियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो राहुल गौड़ और श्रुति नाटक का निर्देशन एवं संयोजन प्रो मधु सिंह ने किया ।

तीसरी गतिविधि

प्रेमचंद स्मृति व्याख्यानमाला

विषय	हाशिए के प्रश्न और प्रेमचंद
विशेष प्रस्तुति	पात्र बोलते हैं... (विद्यार्थियों द्वारा प्रेमचंद के पात्रों का चरित्रांकन)
तारीख	30 जुलाई, 2020
समय	शाम 4 बजे
माध्यम	गूगल मीट
संभावित श्रोता	तृतीय छमाही, पंचम छमाही और तृतीय वर्ष के विद्यार्थी एवं विभिन्न महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी
वक्ता	डॉ. संजय जायसवाल विद्यासागर विश्वविद्यालय
प्रतिभागी	विद्यार्थी, शोधार्थी एवं शिक्षक
प्रतिभागियों की कुल संख्या	लगभग 100
आयोजक	हिंदी विभाग
तकनीकी सहयोग	मधु सिंह और राहुल गौड़

बैनर

खुदीराम बोस सेन्ट्रल कॉलेज

हिंदी विभाग द्वारा आयोजित

प्रेमचंद स्मृति व्याख्यानमाला

30 जुलाई 2020, शाम 4 बजे

विषय: हाशिए के प्रश्न और प्रेमचंद

स्वागत भाषण

डॉ. सुबीर कुमार दत्त
प्रिंसिपल
खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज

प्रस्तावना

डॉ. शुभ्रा उपाध्याय
विभागाध्यक्ष
खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज

व्याख्यान

डॉ. संजय जायसवाल
हिंदी विभाग
विद्यासागर विश्वविद्यालय

विभाग के विद्यार्थियों की प्रस्तुति

पात्र बोलते हैं...!

सौरभ केशरी, ज्योति मिश्रा, उजाला यादव, निशा साव, प्रीति साव, प्रीति गुप्ता, नंदनी साव, सिमरन जैसवारा, साक्षी झा, सीमा प्रजापति, अभिनव प्रसाद, बिन्दी चौधरी और विशाल दास

संयोजन एवं संचालन
प्रो. मधु सिंह

धन्यवाद ज्ञापन
प्रो. राहुल गौड़

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए गूगल मीट डाउनलोड कीजिए। लिंक कैप्शन में दिया गया है।

अखबार की रिपोर्टिंग

प्रेमचंद स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन

कोलकाता, 31 जुलाई। खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा प्रेमचंद स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन 30 जुलाई को किया गया। प्रेमचंद के जयंती पर केंद्रित यह व्याख्यानमाला पिछले कई वर्षों से आयोजित हो रहा है। 140वीं जयंती के अवसर पर हाशिए के प्रश्न और प्रेमचंद विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया इस अवसर पर आमंत्रित वक्ता डॉ. संजय जायसवाल ने कहा कि प्रेमचंद का रचना संसार मानव जीवन का आख्यान है ।

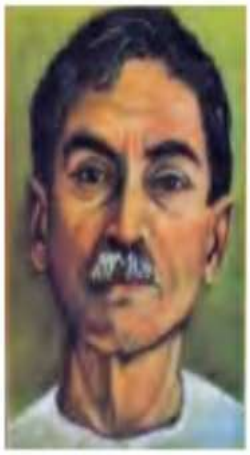

प्रेमचंद ने दबे हुए संदर्भों को केंद्र में लाया। औपनिवेशिक सत्ता की साम्राज्यवादी चालाकियों को प्रेमचंद ने बेनक़ाब करते हुए सामंतवाद के साथ उनके गठबंधन पर जमकर प्रहार किया है वे हाशिए पर चले गए किसानों -मजदूरों, स्त्री, राष्ट्र, दलित और भाषा के प्रश्न को राष्ट्रीयता की परियोजना और सामाजिक क्रांति से जोड़कर केंद्र में स्थापित किया।

उन्होंने किसानों को राष्ट्रीय चरित्र के रूप में गढ़ने का महत्वपूर्ण काम किया। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुबीर कुमार दत्ता के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने हिंदी विभाग की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह विभाग निरंतर साहित्यिक और सांस्कृतिक आयोजनों के जरिए विद्यार्थियों को मंच प्रदान करता है। विभागाध्यक्ष डॉ. शुभ्रा उपाध्याय ने व्याख्यानमाला की प्रयोजनीयता को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह आयोजन प्रेमचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करने का मंच है।

इस अवसर पर विभाग के विद्यार्थियों ने प्रेमचंद के पात्र बोलते हैं कार्यक्रम के अंतर्गत प्रेमचंद के साहित्य के प्रमुख पात्रों के जरिए संवाद शैली में अभिनयात्मक पाठ किया। विद्यार्थियों ने प्रेमचंद के कफ़न, सवा सेर गेंहू, सद्गति, बूढ़ी काकी, बड़े घर की बेटी आदि कहानियों के किरदारों के प्रमुख संवादों पर प्रभावी प्रस्तुति की।प्रस्तुति के दौरान श्रोताओं को कहानी एवं पात्रों का नाम बताना था। श्रोताओं ने भी इसमें जमकर हिस्सा लिया इसमें सौरभ केशरी, ज्योति मिश्रा, उजाला यादव, निशा साव, प्रीति साव, प्रीति गुप्ता, नंदनी साव, सिमरन जैसवारा, साक्षी झा, सीमा प्रजापति, अभिनव प्रसाद, बिन्दी चौधरी और विशाल दास ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में कोलकाता और अन्य शहरों के शिक्षक, साहित्यप्रेमी एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संयोजन एवं सफल संचालन ककरते हुए प्रो. मधु सिंह ने कहा कि भारत की आत्मा के लेखक थे प्रेमचंद। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. राहुल गौड़ ने दिया।

छपते-छपते

चौथी गतिविधि

अंतरराष्ट्रीय वेब संगोष्ठी

विषय	आज की चुनौतियां और हिंदी नाटक
तारीख	30 जुलाई, 2020
समय	शाम 4 बजे
माध्यम	**जूम तथा फेसबुक**
संभावित श्रोता	तृतीय छमाही, पंचम छमाही और तृतीय वर्ष के विद्यार्थी एवं विभिन्न महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी
वक्ता	डॉ. प्रताप सहगल (सुप्रसिद्ध नाटककार) डॉ. सत्या उपाध्याय (कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज) डॉ. अंजुमन आरा (रेवेंशा विश्वविद्यालय) प्रो. पूनम झा (नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय) उमा झुनझुनवाला (नाटककार- लिटिल थेस्पियन)
प्रतिभागी	देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों से जुड़े विद्यार्थी, शोधार्थी एवं शिक्षक
प्रतिभागियों की कुल संख्या	लगभग 800
आयोजक	हिंदी विभाग
तकनीकी सहयोग	मधु सिंह और राहुल गौड़

बैनर

खुदीराम बोस सेन्ट्रल कॉलेज
71/2ए. विधान सारणी, कोलकाता- 700006
हिंदी विभाग द्वारा आयोजित
21 अगस्त, 2020
अंतरराष्ट्रीय वेब संगोष्ठी
IQAC प्रकल्प के तहत
संध्या 4 बजे
केंद्रीय विषय: आज की चुनौतियां और हिंदी नाटक
स्वागत भाषण
डॉ. सुबीर कुमार दत्त
प्रिंसिपल
खु. बो. से. कॉलेज
संचालन
डॉ. शुभ्रा उपाध्याय
विभागाध्यक्ष
खु. बो. से. कॉलेज
वक्ता
डॉ. प्रताप सहगल
नाटककार एवं
पू.एसोसिएट प्रोफेसर(डी.यू)
नाट्य लेखन और चुनौतियां
डॉ. सत्या उपाध्याय
प्रिंसिपल
कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज
21वीं सदी के आइने में
मल्लिका और माधवी
डॉ. अंजुमन आरा
एसोसिएट प्रोफेसर
रेवेंशा विश्वविद्यालय
स्कन्दगुप्त नाटक में स्त्री चेतना
संयोजन
प्रो. मधु सिंह
हिंदी विभाग
प्रो. पूनम झा
एसिस्टेन्ट प्रोफेसर
नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय
नारी स्वाभिमान का सुन्दर
दस्तावेज ध्रुवस्वमिनी
उमा झुनझुनवाला
निर्देशक
लिटिल थेस्पियन
रंगमंच और चुनौतियां
धन्यवाद ज्ञापन
प्रो. राहुल गौड़
हिंदी विभाग
संगोष्ठी से जुड़ने के लिए गूगल मीट डाउनलोड करें। लिंक कैप्शन में दिया गया है।

खुदीराम बोस सेन्ट्रल कॉलेज

71/2 ए. विधान सारणी, कोलकाता-700006

हिंदी विभाग द्वारा एवं IQAC प्रकल्प के तहत आयोजित

अंतरराष्ट्रीय वेब संगोष्ठी

दिनांक: 21 अगस्त 2020

श्री/सुश्री/श्रीमती _____

शिक्षण संस्थान _____

आपने '**आज की चुनौतियां और हिंदी नाटक**' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेब संगोष्ठी में व्याख्यान दिया/ सहभागिता की। हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

डॉ. सुबीर कुमार दत्त
प्रिंसिपल

डॉ. शुभ्रा उपाध्याय
विभागाध्यक्ष

प्रमाणपत्र

गणेश पूजा का आयोजन नहीं हो रहा है ।विभिन्न क्लब काफी उछल देखा जा रहा है।

खुदीराम बोस कॉलेज हिन्दी विभाग की ओर से नाटक पर वेब संगोष्ठी

कोलकाता, 22 अगस्त। कोलकाता के सुप्रतिष्ठित कॉलेज खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वैश्विक महामारी के दौर में पठन-पाठन की प्रक्रिया जारी रहे एवं विद्यार्थियों की सक्रियता बनी रहे इसी उद्देश्य से इस संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 'आज की चुनौतियां और हिंदी नाटक' विषय पर चर्चा का प्रमुख बिंदु था कि वर्तमान समय की चुनौतियों के परिप्रेक्ष्य में हिंन्दी नाटकों की सैद्धान्तिक ही नहीं बल्कि व्यावहारिक धरातल पर क्या उपयोगिता है।

कार्यक्रम का आरंभ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुबीर कुमार दत्त के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने कहा कि हिंदी नाटक को लेकर हिंदी विभाग की यह दूसरी संगोष्ठी है। कोरोना काल में ऐसी सक्रियता तारीफ के काबिल है।बतौर वक्ता प्रख्यात नाटककार एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रताप सहगल ने कहा कि चुनौतियां हर युग में समाज को प्रभावित करती रही हैं।हिंदी नाटक मल्टी नैरेटिव्स को लेकर हमेशा रंगमंच की ओर रुख करता है।

कलकत्ता गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्य डॉ. सत्या उपाध्याय ने आज के संदर्भ से मल्लिका और माधवी को जोड़कर देखने की नवीनतम दृष्टि दी है।

रेवेंशा विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अंजुमन आरा ने कहा कि स्कंदगुप्त की तमाम स्त्रियों का चरित्र गतिशील होने के साथ-साथ स्त्री स्वातंत्र्य और स्वाभिमान से जुड़ा है।

नेपाल से जुड़ी, नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय की एसिस्टेन्ट प्रोफेसर प्रो. पूनम झा ने कहा कि हमें नाटक की परंपरा को समझने की जरूरत है साथ ही उसे व्यापक समाज का हिस्सा बनाने की आवश्यकता है।

कोलकाता की प्रसिद्ध नाटककार एवं लिटिल थेस्पियन नाट्य संस्था की निर्देशिका उमा झुनझुनवाला ने कहा कि हमें नाटक के व्यावहारिक पक्ष को स्कूल ,कॉलेज के पाठ्यक्रम में अनिवार्य रूप से जोड़ना चाहिए।

इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल संचालन करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. शुभ्रा उपाध्याय ने कहा कि विभाग हमेशा से विद्यार्थियों को शिक्षा और सृजनात्मकता से जोड़ने का काम करता रहा है।हिंदी की लम्बी नाट्य परंपरा में संवेदना,मनुष्यता और प्रतिरोध का संस्कार देखने को मिलता है ।

इस अवसर पर कॉलेज के अन्य विभाग के शिक्षकों के साथ विभिन्न शहरों से शिक्षक, शोधकर्ता एवं विद्यार्थी ने भारी संख्या में भाग लिया । संगोष्ठी का संयोजन प्रो. मधु सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. राहुल गौड़ ने दिया ।

छपते-छपते

पांचवीं गतिविधि

कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम

विषय	व्यक्तित्व विकास (Personality Development) समय प्रबंधन (Time Management)
तारीख	10 सितम्बर 2020 17 सितम्बर 2020
समय	शाम 4 बजे
माध्यम	गूगल मीट
संभावित श्रोता	तृतीय छमाही, पंचम छमाही और तृतीय वर्ष के विद्यार्थी एवं विभिन्न महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी
वक्ता	श्री मृत्युंजय श्रीवास्तव प्राक्तन महाप्रबंधक एम.एस.टी.सी
प्रतिभागी	हिंदी विभाग एवं विभिन्न विभाग के तृतीय छमाही, पंचम छमाही और तृतीय वर्ष के विद्यार्थी
प्रतिभागियों की कुल संख्या	लगभग 60
आयोजक	हिंदी विभाग
तकनीकी सहयोग	मधु सिंह और राहुल गौड़

बैनर

Khudiram Bose Central College

71/2 A Bidhan Sarani, Kolkata- 700006

"Skill Enhancement Course"

Organized by Department of Hindi

For all students of Khudiram Bose Central College

Speaker

Mr. Mrityunjoy Shrivastava

Ex. General Manager

MSTC

Special Lecture

Day-1 (10/09/2020, 04:00 Pm.)- Personality Development

Day-2 (17/09/2020, 04:00 Pm.)- Time Management

Co-ordinator

Dr. Shubhra Upadhyay (HOD, Hindi)

Madhu Singh

Rahul Gond

Download Google Meet app to attend the programme. Link has been given in the caption.

प्रमाणपत्र

Khudiram Bose Central College

71/2 A Bidhan Sarani, Kolkata-700006

Certificate of participation

This is certified that ..... of

..... participated in

Skill Enhancement Course organized by Department of Hindi on 10th 17th September, 2020. We wish you a bright future.

Dr. Prabir Kumar Dutta
Principal

Dr. Shubhra Upadhyay
H.O.D (Hindi Dept.)

छठवीं गतिविधि

हिंदी दिवस समारोह

विषय	**शुद्ध हिंदी भाषा लेखन के आधार बिंदु** **हिंदी भाषा के विविध रूप**
तारीख	**19 सितम्बर, 2020**
समय	**शाम 4 बजे**
माध्यम	**गूगल मीट**
संभावित श्रोता	**तृतीय छमाही, पंचम छमाही और तृतीय वर्ष के विद्यार्थी एवं विभिन्न महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी**
वक्ता	**श्री अवधेश प्रसाद सिंह** अनुवादक एवं पूर्व मुख्य अधिकारी(हिंदी) **प्रो. अल्पना नायक** श्री शिक्षायतन कॉलेज
प्रतिभागी	**विद्यार्थी, शोधार्थी एवं शिक्षक**
प्रतिभागियों की कुल संख्या	**लगभग 100**
आयोजक	**हिंदी विभाग**
तकनीकी सहयोग	**मधु सिंह और राहुल गौड़**

खुदीराम बोस सेन्ट्रल कॉलेज

71/2ए. विधान सारणी, कोलकाता- 700006

19 सितम्बर, 2020

हिंदी विभाग द्वारा आयोजित

हिंदी दिवस समारोह

संध्या 4 बजे

परिचर्चा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

स्वागत भाषण

डॉ. सुबीर कुमार दत्त

प्रिंसिपल

खु. बो. से. कॉलेज

प्रस्तावना

डॉ. शुभ्रा उपाध्याय

विभागाध्यक्ष

खु. बो. से. कॉलेज

वक्ता

श्री अवधेश प्रसाद सिंह

पूर्व मुख्य अधिकारी

यूको बैंक, प्रधान कार्यालय, कोलकाता

विषय: शुद्ध हिंदी भाषा लेखन के आधार बिंदु

प्रो. अल्पना नायक

हिंदी विभाग

श्री शिक्षायतन कॉलेज

विषय: हिंदी भाषा के विविध रूप

हिंदी विभाग के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम

काव्य आवृत्ति प्रतियोगिता में विजित प्रतिभागियों की प्रस्तुति

संचालक

मधु सिंह

संयोजक

राहुल गौड़

संगोष्ठी से जुड़ने के लिए गूगल मीट डाउनलोड करें। लिंक कैप्शन में दिया गया है।

बैनर

खुदीराम बोस सेन्ट्रल कॉलेज

71/2 ए. विधानसरणी, कोलकाता-700006

हिंदी विभाग द्वारा आयोजित

हिंदी स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता

श्री/सुश्री/श्रीमती _____

शिक्षण संस्थान _____

आपने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदी स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की तथा आपकी रचना श्रेष्ठ ६ रचनाओं में चयन की गई। हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

डॉ. सुबीर कुमार दत्त
प्रिंसिपल

शुभ्रा उपाध्याय

डॉ. शुभ्रा उपाध्याय
विभागाध्यक्ष

प्रमाणपत्र

अखबार की रिपोर्टिंग

भारतीय भाषाओं के बीच पुल है हिंदी

- हिंदी दिवस समारोह में बोले खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुबीर कुमार दत्त

कोलकाता. कोलकाता के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर संगोष्ठी, लोकगीत, काव्यसंगीत व स्वरचित कविता प्रतियोगिता सम्पन्न हुई. प्राचार्य डॉ. सुबीर कुमार दत्त ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि हिंदी भारत की सर्वप्रिय भाषा है, यह भारतीय भाषाओं के बीच पुल है, जो सभी को जोड़ने का काम करती है. हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ. शुभ्रा उपाध्याय ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए इस समारोह के इतिहास पर प्रकाश डाला. परिचर्चा 'शुद्ध हिंदी भाषा लेखन के आधारबिंदु' विषय पर अपना विचार रखते हुए यूको बैंक, प्रधान कार्यालय के पूर्व मुख्य अधिकारी व प्रतिष्ठित भाषा-चिंतक अवधेश प्रसाद सिंह ने कहा, हम सावधानी और व्याकरण सम्मत प्रयोग से अच्छी हिंदी लिख सकते हैं. हमें नियमित लेखन का अभ्यास करना चाहिए. श्री शिक्षायतन कॉलेज की शिक्षिका प्रो. अल्पना नायक 'हिंदी भाषा के विविध रूप' विषय पर बोलीं. अंजली पाठक ने सरस्वती वंदना, ज्योति मिश्रा ने काव्य संगीत व नंदिनी साव लोकगीत की प्रस्तुति की तथा लाला कुमार ने हिंदी दिवस से संबंधित एक आलेख पाठ किया. इस अवसर पर 'स्वरचित हिंदी कविता लेखन' पर अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता में 30 महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रविष्टियां भेजी थीं. कार्यक्रम के दौरान उनमें से छह श्रेष्ठ प्रतिभागियों के नाम की घोषणा हुई, जो इस प्रकार है साक्षी झा (खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज), जितेश चौबे (सेठ आनंदराम जयपुरिया कॉलेज), टीना लामा (विद्यासागर कॉलेज फॉर वीमेन), अर्चना विश्वकर्मा (बनारहाट कार्तिक ओराओन हिंदी कॉलेज), बिट्टू कौर (राजा नरेंद्र लाल खान महिला महाविद्यालय) और निखिता पांडेय (आरबीसी कॉलेज फॉर वीमेन). विजयी प्रतिभागियों का चयन विद्यासागर विश्वविद्यालय के डॉ. संजय कुमार जायसवाल ने किया. कार्यक्रम का सुंदर व सफल संचालन मधु सिंह ने और धन्यवाद ज्ञापन राहुल गौड़ ने किया.

प्रभात खबर

हिंदी स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता में चयनित छः प्रतिभागी

साक्षी झा - खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज

जितेश चौबे - सेठ आनंदराम जयपुरिया कॉलेज

टीना लामा - विद्यासागर कॉलेज फॉर वीमेन

अर्चना विश्वकर्मा - बनारहाट कार्तिक ओराओन हिंदी कॉलेज

बिट्टू कौर - राजा नरेंद्र लाल खान महिला महाविद्यालय

निखिता पांडेय - आर. बी. सी. कॉलेज फॉर वीमेन